कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD-12

एम. ए. (हिन्दी) (एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एच.डी.-12 : भारतीय कहानी

समय : 2 घण्टे | अधिकतम अंक : 50

नोट : *(i)* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

(ii) शेष में से किन्हीं ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) कहते हैं कि म्यूनिसिपैलिटी वाले बंगलेवालों के नल बन्द नहीं करते। जब तक लाइन खुली रहती है, तब तक उनको पानी मिलता ही रहता है। मोटरों की सहायता से वे लोग टंकियाँ भर लेते हैं। लोग तीन-तीन दफा नहाते हैं। चार-पाँच बार हाथ-मुँह धोते हैं। चार प्याले भी धोने हों तो आधे घंटे तक धार छोड़ते रहते हैं। अगले दिन टंकी खाली करके पौधों को वह पानी देते हैं।

(ख) उन्होंने मन ही मन सोचा कि अगर इस वक्त कुछ बोलते हैं तो अगले ही पल व बभाव हो जाएँगे। नहों, अभी उन्हें बेभाव होने की इच्छा नहीं है। बल्कि वे आँख बन्द किए हुए ही महसूस करेंगे कि डॉक्टर आया है, जाँच की है। उसके बुलाने पर उन्होंने जवाब नहीं दिया तो उसने सन्देह व्यक्त करते हुए इशारे से समझाया है, सेरेब्राल थ्रंबोसिस हो सकता है, ऐसा होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। निर्देश दे रहा है कि एकदम सुलाए रखें। कंप्लीट रेस्ट।

(ग) उस पोखर के पश्चिमी किनारे पर खड़े पीपल को बीच से काट डाला गया है और कटे हुए तने के टुकड़े पोखर के बीच में छितरे पड़े हैं। उनके ऊपर एक छतविहीन झोपड़ी है। जीवन ने उसमें एकदम अकेले पड़े हुए एक बच्चे को देखा। सुनहरे बाल उसकी आँखों पर ढके हुए थे और गालों पर बहे हुए आंसुओं की धाराएँ सूख गई थीं। बच्चा दाहिने हाथ की छोटी उंगली पकड़े बैठा था। ऊपर देखता ही नहीं वह। जीवण क्या करे ? आवाज देकर उसे बुलाने की इच्छा हुई, पर हिम्मत नहीं पड़ी ..... वह सपना ही था, लेकिन जीवन की नजर सपने में देखी हुई जगह को अब भी खोजती है।

(घ) पागलों को लारियों से निकालना और उनको दूसरे अफसरों के हवाले करना बड़ा कठिन काम था, बाज तो बाहर निकलते ही नहीं थे, जो निकलने पर राज़ी होते थे, उनको सँभालना मुश्किल हो जाता था, क्योंकि वह इधर-उधर भाग उठते थे, जो नंगे थे, उनको कपड़े पहनाए जाते तो वह उन्हें फाड़कर अपने तन से जुदा कर देते। कोई गालियाँ बक रहा है ..... कोई गा रहा है ..... कुछ आपस में झगड़ रहे हैं ..... कुछ रो रहे हैं, बिलख रहे हैं ..... कान पड़ी आवाज सुनाई नहीं देती थी ..... पागल औरतों का शोरगुल अलग था और सर्दी इतनी कड़ाके की थी कि दाँत से दाँत बज रहे थे।

2. 'दीदी' कहानी के आधार पर लेखक का मंतव्य स्पष्ट कीजिए। 10

3. 'ट्रेडिल' कहानी के आधार पर यान्त्रिक होते जीवन की चुनौतियों को व्यक्त कीजिए। 10

4. इंदिरा गोस्वामी की कहानी 'एक अविस्मरणीय यात्रा' की संवेदना और शिल्प पर विचार कीजिए। 10

5. " 'दूजौ कबीर' कहानी 'मनुष्य की गरिमा और अस्मिता की सशक्त कहानी है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 10

6. 'ओड़िया' कहानी में गोपीनाथ महंती का स्थान निर्धारित कीजिए। 10

7. निम्नलिखित मं से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) 'अपना-अपना कर्ज़' की संवेदना

(ख) 'चिता' कहानी का जीवनदर्शन

(ग) हरिमोहन झा

(घ) दीनानाथ नादिम